आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना में उद्यमिता का योगदान

विद्या भूषण*

परिचय

आत्मनिर्भरता वो सुख है जो किसी पर आश्रित होने पर किसी भी सुख सुविधा में नही है। हम किसी पर आश्रित होते हैं तो कहीं ना कहीं किसी के एहसान के नीचे दबते चले जाते हैं और एक दिन ऐसा समय आता है कि एहसान करने वाला इन्सान भी कोई ना कोई कीमत जरुर लगाता है एहसान का।

उद्यमिता नये संगठन आरम्भ करने की भावना को कहते हैं। किसी वर्तमान या भावी अवसर का पूर्व दर्शन करके मुख्यत: कोई व्यासायिक संगठन प्रारम्भ करना उद्यमिता का मुख्य पहलू है। उद्यमिता में एक तरफ भरपूर लाभ कमाने की सम्भावना होती है तो दूसरी तरफ जोखिम, अनिश्चितता और अन्य खतरे की भी प्रबल सम्भावना होती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जो सपना आत्मनिर्भर भारत का है। जिसको पूरा करने में उद्यमिता का महत्वपूर्ण योगदान होने वाला है। जबतक किसी भी राष्ट्र की जनता के सोच में उद्यमिता नामक विचार नहीं आयेगा तब तक वहॉ की जनता हमेशा किसी न किसी के अधीन पुरानी विचारधारा के अनुसार कार्य प्राप्त करने तथा कार्य करने की प्रवृत्ति बनायी रहेगी।

इसलिए अगर भारत को आने वाले समय में आत्मनिर्भर भारत बनना है तो यह परम् आवश्यक हो जाता है कि भारत की जनता के सोच में बदलाव लाया जाय जिससे भारतीय जनता के मन में उद्यमिता का भाव पैदा किया जा सके और हम भविष्य में आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार कर सकें।

सर्वप्रथम 12 मई 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कोरोना काल में आर्थिक पैकेज की घोषणा के समय आत्मनिर्भर भारत का सपना भारतीय जनता को दिखाया। तत्पश्चात भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से प्रधानमंत्री जी ने जिन चार बातो की तरफ सबका ध्यान आकर्षित किया वह निम्न लिखित हैं-

1- आत्मनिर्भर भारत (Aatmnirbhar Bharat)

2- वोकल फॉर लोकल (Vocal for local)

3- मेक इन इण्डिया (Make in India)

4- मेक फॉर द वर्ड (Make for the world)

उपर्युक्त चार बातो में से हम आत्मनिर्भर भारत की चर्चा यहां करेगें-

आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता:-

आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता क्यों पड़ गयी, इसमें बहुत बड़ा हाथ कोरोना महामारी का भी हैं। क्योंकि कोरोना काल में बहुत से भारतीयों का रोजगार समाप्त हो गया। जिसका परिणाम बेरोजगारी, गरीबी, भूखमरी इत्यादि बड़ी-2 समस्याओं का विकराल रुप देखने को मिला। इन्ही समस्याओं से निपटने हेतु एक उपाय के

*असिस्टेन्ट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर, महाविद्यालय खलीलाबाद, सन्त कबीर नगर, ई-मेल- *bhushnvidya@gmail.com*